❋ परिशिष्ट ❋

साधुराम दर्शक
169 सन्देश विहार
दिल्ली 110034
7.5.2006
TN 27544762

प्रिय कुमारी रंजना

नमस्कार।

आपका 28/4/06 का पत्र 6/5/06 को मिला। अच्छा लगा। यह जानकर खुशी हुई कि आप अपने ध्येय की प्राप्ति में जुटी हुई हैं और खूब परिश्रम कर रही हैं। आप अवश्य सफल होंगी। एक बात और बता दूँ। जिस दिन आपका पत्र मिला, उस से दो दिन पहले मैंने अपने नव प्रकाशित कहानी-संग्रह "कथांजली तथा अन्य कहानियाँ" की प्रति आप को भेजी थी। यह इत्तफाक था। आप को मिल गयी होगी अथवा एक-दो दिन में मिलने वाली होगी। पता दे दें।

पैसे आप बिल्कुल भी न भेजें। [illegible] पोस्टेज और फोटो स्टेट के लिए ही तो जरूरत पड़ती है। मैं खर्च कर दूंगा। आप इतना शुभ कार्य कर रही हैं। अति शुभम्

बाद पता मेरे लेखन का अभी सही ढंग से मूल्यांकन तो हो नहीं पाया है, फिर भी इस पुस्तक की कई-कई पत्र-पत्रिकाओं में समीक्षा प्रकाशित हुई है। इस के अलावा कुछ कहानी-संग्रहों की भूमिका में कहानियों की समीक्षा हुई है। इस के अलावा कहानियों पर कुछ टिप्पणियाँ भी प्रकाशित हुई हैं। पुस्तकों की भूमिका तो आप पढ़ ही लेंगी। बाकी मैं फाइलों में ढूंढ कर फोटो-स्टेट करवा आप को भेजूंगा। कुछ समय लग जायेगा।

शेष आप पूछें लिखे प्रश्नों के उत्तर देने की बात। इसके बारे में मैं कुछ कहना चाहता हूं। मैंने अपनी आत्मकथा लिखी है। वह अभी तक प्रकाशित तो नहीं हो रही है लेकिन पूरी हो चुकी है, अर्थात उसे Revise करनी है। 150 पन्ने हैं टाइप किए हुए। आप कहें तो मैं उसकी फोटो कापी करवा कर आप को भेज दूंगा। आप उसे पढ़ लें। फिर जो कुछ रह गया हो तो आप प्रश्न करके पूछ लें। 165

पुस्तक के सम्बन्ध में और इन दो पत्रों के बारे में जल्दी उत्तर दें, ताकि मैं काम शुरू कर दूँ और

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

250 भारत INDIA
शैल कृत रथ, महाबलिपुरम
ROCK-CUT RATHAS, MAHABALIPURAM

Kri Shailaja Bandu[illegible] Gauli

कुमारी शैलजा [illegible] गवली,

Mangaon मु.पो. माणगाव [illegible]

Teh HATKANANAGALE हातकणंगले

Distt Kolhapur MH

(इस लाइन के नीचे न तो लिखें और न ही मुद्रित करें Do not write or print below this line) पिन PIN 4 1 6 1 3 6

यहाँ काट कर खोलिए TO OPEN CUT HERE

दूसरा मोड़ SECOND FOLD

भा.प्र.मु. / I.S.P. - 2003

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखें NO ENCLOSURES ALLOWED

पते में पिन कोड लिखें WRITE PIN CODE IN ADDRESS

प्रेषक का नाम और पता :— SENDER'S NAME AND ADDRESS :—

[illegible]

169 [illegible]

[illegible] पिन PIN 1 1 0 0 3 4

जिन्दगी को ना करें मजबूर
गुटका, बीड़ी और तम्बाकू से रहें दूर

पहला मोड़ FIRST FOLD

[illegible]

साधुराम 'दर्शक'
169 सन्देश विहार,
दिल्ली 110034
5.8.2006

प्रिय कुमारी संजना,

बहुत-बहुत आशीर्वाद।

आप का पत्र ठीक समय पर मिल गया था। बहुत अच्छा पत्र लिखा है आपने बहुत प्यार। बहुत अच्छा लगा पढ़ कर। मैं समय पर उत्तर नहीं दे पाया, क्योंकि मैं किसी और काम में फँसा था। तब ही सहसा याद आया कि आपने मेरी पत्नी और माता जी के नाम पूछे थे, आप को सोचने में चिन्तित हो रहा होगा। अतः जल्दी में पत्र लिख रहा हूँ। मेरी माता जी का नाम है श्रीमती चिन्नी देवी और पत्नी का नाम है श्रीमती कमला देवी और दादी का नाम है श्रीमती द्रौपदी देवी।

बाकी इच्छा तो मेरी भी थी आप से मिलने की और मैं आपको पत्र लिखने की सोच भी रहा था, पर झिझक रहा था। हमारा समाज जो होता है। फिर पूरा पहुँचने पर जब आपको पत्र लिखने का मन हुआ तो गली आदि का नाम तो याद था लेकिन पिनकोड नहीं। सोचा कैसे लिखूँ तो पत्र देर से पहुँचेगा, जब तक मैं चल भी दूँगा दिल्ली को। हो सकता है फिर कभी अवसर मिले।

आप के परिवार वालों को मैं भी बहुत इन्तज़ार करता हूँ। आपके पत्रों से पता चल गया है कि कितना अच्छा परिवार है आपका और आप सबका भी। आप परिश्रमी भी बहुत लगती हैं। आप कम्प्यूटर भी सीख रही हैं, एम. फिल भी कर रही हैं और कभी दोबारा आप का पढ़ना पता पड़ा तो पता चला आप कहानियाँ लिखती भी हैं। बहुत अच्छा लगा। आप अपना काम समाप्त कर लें, फिर कोई कहानी लिखना। आप ही प्रयत्न भी करेंगी।

आप ने अपना पता लिखा है पर वह तो मेरे पास है। आप इंटर में दाखिल हो गयी हैं, यह

167

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

कु. शैलजा खोंडीराम गावली,
मानगांव, कोल्हापुर
416136

Miss Shailaja Khondiram Gavali,
AT Post Mangaon,
Teh Hatkanagle
~~Distt Kolhapur~~ M.S.

(इस लाइन के नीचे न तो लिखें और न ही मुद्रित करें Do not write or print below this line) पिन PIN 4 1 6 1 3 6

दूसरा मोड़ SECOND FOLD भा.प्र.मु. / I.S.P. - 2003

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखें NO ENCLOSURES ALLOWED
पते में पिन कोड लिखें WRITE PIN CODE IN ADDRESS
प्रेषक का नाम और पता :— SENDER'S NAME AND ADDRESS :—

साधु राम ढवास,
169 मुनिरका विहार,
15 ... पिन PIN 1 1 0 0 3 4

जिन्दगी को ना करें मजबूर
गुटका, बीड़ी और तम्बाकू से रहें दूर
जिन्दगी चुनो तम्बाकू नहीं

पहला मोड़ FIRST FOLD

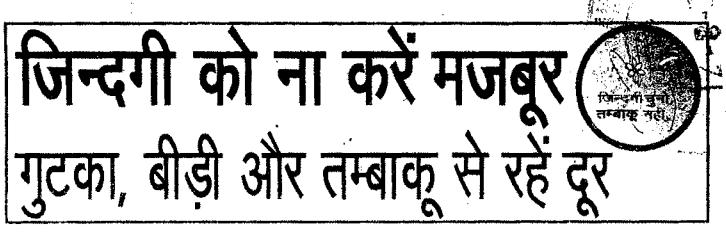

आप ने बहुत अच्छा किया,
आप शायद डॉक्टर को
पता लिखना चाहती थी पर
भूल गयी।

आप की गाइड
साहिबा को नमस्कार। आपके
सभी परिवार वालों को
मेरा नमस्कार।
पता अलग से
लिख रहा हूँ,
सम्पर्क बनाये
रखें।

आप का,
साधु राम ढवास

~~र साथी (त्रैमासिक)~~
दक : साधु राम दर्शक
9, संदेश विहार, (पीतम पुरा एरिया)
ली-110034

Akshar ~~Sathi (Quarterly~~)
~~Editor~~ : **Sadhu Ram Darshak**
169, Sandesh Vihar, [Pitam Pura Area,]
Delhi-110034
टेलीफोन नम्बर 27194762
तिथि 5/10/05

प्रिय कु. शैलजा,

नमस्कार तथा आशीर्वाद!

आपका 24/9/05 का पत्र कल प्राप्त हुआ। यह जानकर प्रसन्नता हुई कि आप मेरी कहानियों पर 'एम फिल' के लिए 'लघु शोध प्रबन्ध' लिखना चाहती हैं। बहुत अच्छी बात है। मेरी ओर से आपको अनुमति है और आशीर्वाद है। मेरी दिली कामना है कि इस शुभ कार्य में आप सफल हों!

मेरी पुस्तकें कहां से प्राप्त हो सकती हैं, अब इसे विषय में। साथ एक लिस्ट लगा रहा हूं, उस में सब कुछ दिया हुआ है। फिर भी अपने दो कहानी संग्रहों — 'नन्हा गुलाब, बूढ़ा खार' तथा 'दुःस्वप्न का अन्त', की एक-एक प्रति अलग से बुकपोस्ट द्वारा आपको भेज रहा हूं। 'एक और सावित्री' की कोई प्रति इस समय मेरे पास उपलब्ध नहीं है। वह आप अनिल प्रकाशन 2619-20 नई सड़क, दिल्ली-110006 से मंगवा लीजिए। न मिले तो मुझे लिखें। मैं कोई प्रबन्ध करूंगा।

पत्र और पुस्तकें मिलने पर पत्र लिखें। पते में तहसील का नाम पढ़ा नहीं जाता।

सम्पर्क बनाए रखें।

सफलता की कामना सहित!

आपका,
साधु राम दर्शक
साधु राम दर्शक
5/10/05

कु. शैलजा होडिराम जवली,
मु. पो. माणगांव (रुकडी),
ता. जिला - कोल्हापुर,
416136